

# न्यायालय उपखण्ड अधिकारी उदयपुरवाटी जिला झुन्झुनू (राज.)

पीठासीन अधिकारी:- श्री राम सिंह राजावत(आर.ए.एस.)

जी सी एम एस नं 0:-2020/00218

मुकदमा नम्बर:- 97/2020

दर्ज दिनांक 13.07.2020

निर्णय दिनांक 13.02.2023

मातुप्रसाद पुत्र रामेश्वर जाति जांगिड़ उम्र 70 वर्ष, निवासी गुढागौड़जी तहसील उदयपुरवाटी,  
जिला झुन्झुनू।

वादी

बनाम

तहसीलदार, तहसील गुढागौड़जी, जिला झुन्झुनू।

प्रतिवादी

वादपत्र बाबत उदघोषणार्थ

निर्णय दिनांक:-13.02.2023

वादीगण ने जरिये अधिवक्ता दावा बाबत घोषणार्थ एवं विभाजन इस आशय का पेश किया कि ग्राम टोडी तहसील उदयपुरवाटी की सरहद में भूमि खसरा न. पुराना 363 रकबा 1 बीघा 2 बिस्वा जिसके नये खसरा न. 736 रकबा 0.28 है0 अवस्थित है। वादपत्र की धारा 1 में वर्णित भूमि का राजस्व रिकॉर्ड में खातेदार हीरा पुत्र पन्ना जाति चमार निवासी ग्राम गुढागौड़जी है, उपरोक्त हीरा का देहान्त सन् 1964 के अन्तिम माह में हो चुका है, उक्त हीरा के कोई जायन्दा पुत्र अथवा पुत्री सन्तान नहीं है, ना ही निकटतम वारिसान में कोई जीवित है। स्वर्गीय हीरा अपने जीवनकाल में विदेश रहकर नौकरी करता था तथा एक दो बार ही गुढा आया था। प्रथम बन्दोबसत के पूर्व से ही वादी के पूर्वज स्वर्गीय रामेश्वरलाल की एक खुड्डी बनाई गई थी, जिसके ध्वस्त होने पर उसमें पुख्ता रहवासी मकान बना लिये थे तथा वह मयपरिवार उसमें आबाद रहा था, क्योंकि प्रथम बन्दोबसत कार्यवाही के समय उक्त भूमि का राजस्व रिकॉर्ड स्वर्गीय हीरा पुत्र पन्ना के नाम से बन गया था जबकि उपरोक्त हीरा ने संवत् 2012 से लेकर अपनी मृत्यु तक कभी काश्त किया था और ना ही लगान ही जमा करवाया था, ना ही उसका कब्जा था जिस बाबत गलत राजस्व रिकॉर्ड का इल्म होने पर उपरोक्त स्वर्गीय हीरा पुत्र पन्ना ने पटवारी हल्का से अर्ज किया कि प्रस्तुत भूमि को वादी के पिता रामेश्वर पुत्र बल्बाराम जांगिड़ काश्त करता है, जो गलती से मेरे नाम है, जिस पर पटवारी ने जवाब दिया कि जब तक स्वर्गीय हीरा अपना नाम तहसील में प्रार्थना पत्र देकर नाम नहीं कटवाएगा तब तक रिकॉर्ड रामेश्वर के नाम नहीं होगा, जिस पर स्वर्गीय हीरा ने उपपंजियक उदयपुरवाटी के यहां हाजिर होकर दिनांक 25.01.1964 को एक हज्बनामा श्री द्वारकाप्रसाद पीटिशन राईटर की कलम से 3 रुपये के स्टाम्प व दो पाइप पेपर पर लिखवाकर उपपंजियक उदयपुरवाटी से तस्दीक करवा दिया था क्योंकि उक्त दस्तावेज रजिस्टर्ड है, वादी के पिता ने उसकी प्रति पटवार हल्का को भी दे दी थी, इसलिए वादी व वादी के पिता ने सोचकर की उसका राजस्व रिकॉर्ड में अंकन स्वतः ही जाएगा, इसलिए आगे जानकारी नहीं की, ना ही वादी व वादी के पिता के स्वत्व व कब्जे को प्रतिवादी व अन्य किसी व्यक्ति

२५

ने किसी ने कोई चुनौती दी है लेकिन वादी व उसके पिता ने इस बाबत लगान वगैरह प्रतिवादी को नियमित रूप से अदा किया है तथा प्रतिवादी ने लगान स्वीकार करके वादी का कब्जा व स्वत्व स्वीकार किया है। वादी उक्त भूमि की किस्म परिवर्तित करवाने के लिए आवश्यक कागजात हेतु दिनांक 25.02.2020 को पटवारी हल्का के पास गया तो उसके द्वारा गलत रिकॉर्ड बाबत जानकारी वादी को दी गई जिस पर वादी ने उक्त हज्फनामे की असल प्रति पटवारी हल्का व प्रतिवादी को देकर वास्तविक स्थिति बतलाई, जिन्होंने माननीय न्यायालय के जरिये वाद पत्र पेश करके राजस्व रिकार्ड दुरुरस्ती बाबत निर्देशित किया, अतः वादपत्र प्रस्तुत कर निवेदन है कि ग्राम टोडी की सरहद में भूमि खसरा न0 363 रकबा 2 बिघा 2 बिस्वा जिसके नये खसरा न0 736 रकबा 0.28 है0 का वादी खातेदार काश्तकार राजस्व रिकार्ड में दर्ज हेतु प्रतिवादी को आदेशित किया जाना प्रार्थनीय, है वादपत्र दर्ज किया जाकर प्रतिवादी की तलबी वास्ते जबाबदेही की गई।

प्रतिवादी ने पत्रावली की आदेशिका में जवाब प्रस्तुत कर निवेदन किया कि वाद पत्र में वर्णित भूमि हीरा पुत्र पन्ना जाति मेघवाल के नाम दर्ज रिकार्ड है उक्त खातेदार अनुसूचित जाति का सदस्य है राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 42 की तहत अनुसूचित जाति के सदस्य की भूमि पर गैर अनुसूचित जाति के व्यक्ति के नाम खातेदारी अधिकार प्रोदभूमि नहीं किये जा सकते है तथा ना ही इस प्रकार को कोई अंतकरण किया जा सकता अतः श्रीमानजी से निवेदन है कि वादी गैर अनुसूचित जाति का सदस्य होने के कारण वादपत्र खारिज किया जाना प्रार्थनीय है ।

मातुराम पुत्र रामेश्वर जाति जागिड ने साक्ष्य का शपथ पत्र पेश किया।

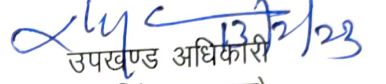
बहस वाद पत्र पर श्रवण कि गई । बहस में वकिल वादी ने वाद पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराया तथा कथन किया कि वादपत्र की धारा 1 में वर्णित भूमि का राजस्व रिकॉर्ड में खातेदार हीरा पुत्र पन्ना जाति चमार निवासी ग्राम गुढागौड़जी है, उपरोक्त हीरा का देहान्त सन् 1964 के अन्तिम माह में हो चुका है, उक्त हीरा के कोई जायन्दा पुत्र अथवा पुत्री सन्तान नहीं है, ना ही निकटतम वारिसान में कोई जीवित है। स्वर्गीय हीरा अपने जीवनकाल में विदेश रहकर नौकरी करता था तथा एक दो बार ही गुढा आया था। प्रथम बन्दोबसत कार्यवाही के समय उक्त भूमि का राजस्व रिकॉर्ड स्वर्गीय हीरा पुत्र पन्ना के नाम से बन गया था जबकि उपरोक्त हीरा ने संवत् 2012 से लेकर अपनी मृत्यु तक कभी काश्त किया था और ना ही लगान ही जमा करवाया था, ना ही उसका कब्जा था जिस बाबत गलत राजस्व रिकॉर्ड का इल्म होने पर उपरोक्त स्वर्गीय हीरा पुत्र पन्ना ने पटवारी हल्का से अर्ज किया कि प्रस्तुत भूमि को वादी के पिता रामेश्वर पुत्र बल्बाराम जागिड काश्त करता है, जो गलती से मेरे नाम ह । उक्त भूमि का लगान वगैरह भी वादी के पिता ही जमा करवाते थे तथा वादी के पिता का ही कब्जा काश्त था और है। लेकिन राजस्व रिकार्ड गलत दर्ज जिसे दुरुरस्त किया जाना प्रार्थनीय है। बहस में प्रतिवादी ने कथन किया कि उक्त भूमि का रिकार्ड अनुसूचित जाति के सदस्य के नाम है जिसको गैर अनुसूचित जाति के सदस्य के नाम अन्तकरण नहीं किया जा सकता अत वादी का वादपत्र खारिज फरमाया जाना प्रार्थनीय



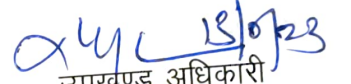
पत्रावली एवं उपलब्ध दस्तावेजात का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया तथा बहस, पर मनन किया गया। वाद पत्र में वर्णित भूमि का रिकार्डेड खातेदार हीरा पुत्र पन्ना जाति मेघवाल है जो कि अनुसूचित जाति का सदस्य है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 42 के तहत अनुसूचित जाति के सदस्य की भूमि पर गैर अनुसूचित जाति के व्यक्ति के अधिकार प्रोद्भूत नहीं किये जा सकते तथा ना ही इस प्रकार को कोई अतंकरण किया जा सकता है। पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेज व उक्त विवेचना से वादी का वाद पत्र खारिज किया जाना उचित व न्यायोचित प्रतित होता है।

### आदेश

वादी का वादपत्र साबित नहीं होने से खारिज किया जाता है।

  
उपखण्ड अधिकारी  
(रामसिंह राजावत)  
उदयपुरवाटी

निर्णय आज दिनांक 13.02.2023 को मेरे द्वारा खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
उपखण्ड अधिकारी  
(रामसिंह राजावत)  
उदयपुरवाटी

अंतिम डिक्री मुकदमा इब्तदाई  
(आदेश 02 रूल 6-7 जाब्ता दीवानी)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी उदयपुरवाटी जिला झुझुनूं  
पीठासीन अधिकारी:- श्री राम सिंह राजावत(आर.ए.एस.)  
जी सी एम एस न० :-2020/00218  
मुकदमा नम्बर:- 97/2020

दर्ज दिनांक 13.07.2020  
निर्णय दिनांक 13.02.2023

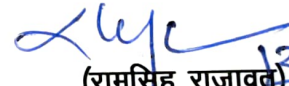
मातुप्रसाद बनाम तहसीलदार  
दावा घोषणार्थ

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिसाल कतई रूबरू न्यायालय उपखण्ड  
अधिकारी उदयपुरवाटी ब हाजिरी उभयपक्षकारान के डिक्री दी जाती है।

वादी का वादपत्र साबित नही होने से खारिज किया जाता है।

.निज.-.....-..... मुबलिक -.....-..... दाबन.-.....-.....  
.....खर्चा इस मुकदमें के मय सूद बशरह -..... फीसदी आज  
की तारीख से तारीख अदायगी तक -.....-..... का अदा करे।

सब मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 13 माह 02 सन 2023 को जारी  
की गई।

  
(रामसिंह राजावत)  
उपखण्ड अधिकारी  
उदयपुरवाटी